दैनिक करेंट अफेयर्स
8 जनवरी 2024

Important News: International

इसरो ने सफलतापूर्वक आदित्य एल1 उपग्रह को अंतिम कक्षा में प्रवेश कराया

चर्चा में क्यों:

- भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन, इसरो ने 6 जनवरी 2024 को आदित्य एल1 उपग्रह को सफलतापूर्वक अंतिम कक्षा में प्रवेश कराया।

प्रमुख बिंदु:

- आदित्य-एल1 सूर्य का अध्ययन करने वाला पहला भारतीय अंतरिक्ष मिशन होगा, जिसे ध्रुवीय उपग्रह प्रक्षेपण यान (पीएसएलवी) द्वारा लॉन्च किया जाएगा।
- अंतरिक्ष यान को पृथ्वी से लगभग 1.5 मिलियन किमी दूर, सूर्य-पृथ्वी प्रणाली के लैग्रेंजियन बिंदु 1 (L1) के आसपास एक प्रभामंडल कक्षा में रखा जाएगा।
- जहाज पर 7 पेलोड हैं जिनमें से चार सूर्य की रिमोट सेंसिंग करेंगे और तीन इन-सीटू अवलोकन करते हैं।
- उद्देश्य:
  - सूर्य के कोरोना, सौर उत्सर्जन, सौर हवाओं और ज्वालाओं और कोरोनल मास इजेक्शन (सीएमई) का अध्ययन|
  - चौबीसों घंटे सूर्य की इमेजिंग करना।

Source: News on AIR

शोधकर्ताओं ने दुनिया का पहला कार्यात्मक ग्राफीन सेमीकंडक्टर बनाया

चर्चा में क्यों:

- शोधकर्ताओं ने हाल ही में ग्राफीन से बना दुनिया का पहला कार्यात्मक अर्धचालक बनाया है

प्रमुख बिंदु:

- चीन और अमेरिका के शोधकर्ताओं ने संयुक्त रूप से ग्राफीन से बना दुनिया का पहला कार्यात्मक अर्धचालक विकसित किया है, जो छोटे, तेज और अधिक कुशल इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों का मार्ग प्रशस्त करता है।

- शोधकर्ताओं ने एपिटैक्सियल ग्राफीन का उत्पादन करने के लिए एक विशेष भट्ठी का उपयोग करके सिलिकॉन कार्बाइड वेफर्स पर ग्राफीन बनाया।
- उन्होंने पाया कि अगर ठीक से बनाया जाए, तो एपिटैक्सियल ग्राफीन रासायनिक रूप से सिलिकॉन कार्बाइड के साथ बंध जाएगा और अर्धचालक गुण प्रदर्शित करेगा।
- टीम के माप से पता चला कि ग्राफीन सेमीकंडक्टर में सिलिकॉन की तुलना में 10 गुना अधिक गतिशीलता है।
- अर्धचालक ऐसी सामग्रियां हैं जो कुछ शर्तों के तहत बिजली का संचालन करती हैं, जो इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के मूल घटक हैं।

Source: CGTN

Important News: National

कई उत्पादों को भौगोलिक संकेत (जीआई) टैग प्रदान किया गया

चर्चा में क्यों:

- ओडिशा की लांजिया पेंटिंग से लेकर अरुणांचल की वांचो वुडन क्राफ्ट से लेकर पश्चिम बंगाल की काई चटनी तक कई उत्पादों को भौगोलिक संकेत टैग प्रदान किया गया है।

प्रमुख बिंदु:

- पारंपरिक लांजिया सौरा पेंटिंग, उत्कृष्ट कढ़ाई वाली डोंगरिया कोंध शॉल और ओडिशा के स्वादिष्ट खजूरी गुड़ा को जीआई टैग प्रदान किया गया है।
- ओडिशा के दुग्ध उत्पाद ढेंकनाल मगजी और सिमिलिपाल काई चटनी को भी जीआई टैग मिला।
- अरुणाचल प्रदेश के वांचो वुडन क्राफ्ट को जीआई टैग प्रदान किया गया है।
- चेन्नई में भौगोलिक संकेत रजिस्ट्री ने पश्चिम बंगाल के तीन उत्पादों को भी टैग दिए हैं - बंगाल की तांगेल साड़ी, गारद साड़ी और कोरियल साड़ी।
- जिन अन्य उत्पादों को जीआई टैग दिया गया, वे हैं पश्चिम बंगाल का कलोनूनिया चावल, पश्चिम बंगाल का सुंदरबन शहद, गुजरात का कच्छी खरेक;

जम्मू कश्मीर का रामबन अनारदाना; कोरापुट कालाजीरा चावल और अरुणाचल प्रदेश आदि केकिर (अदरक)।

- नयागढ़ कांतिमुंडी बैंगन (ओडिशा) – एक सब्जी की फसल जिसके गूदे पर बहुत सारे कांटे होते हैं और साथ ही ओडिशा के नयागढ़ जिले में उगाया जाता है को भी जीआई टैग मिला है।

Source: The Hindu

सुप्रीम कोर्ट कानूनी सेवा समिति (एससीएलएससी)

चर्चा में क्यों:

- सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश न्यायमूर्ति बीआर गवई को न्यायमूर्ति संजीव खन्ना के स्थान पर सुप्रीम कोर्ट कानूनी सेवा समिति (एससीएलएससी) के अध्यक्ष के रूप में नामित किया गया है।

प्रमुख बिंदु:

- सुप्रीम कोर्ट कानूनी सेवा समिति, समाज के हाशिए पर रहने वाले और कमजोर वर्गों को कानूनी सहायता प्रदान करने का एक प्रयास है।
- शीर्ष अदालत के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले मामलों में "समाज के कमजोर वर्गों को मुफ्त और सक्षम कानूनी सेवाएं" प्रदान करने के लिए, कानूनी सेवा प्राधिकरण अधिनियम, 1987 की धारा 3 ए के तहत सुप्रीम कोर्ट कानूनी सेवा समिति का गठन किया गया था।
- समिति में शामिल हैं – माननीय सर्वोच्च न्यायालय के एक मौजूदा न्यायाधीश, जो अध्यक्ष हैं, और 9 सदस्य माननीय भारत के मुख्य न्यायाधीश द्वारा नामित हैं।
- एससीएलएससी एक वैधानिक निकाय है और भारत सरकार के कानून और न्याय मंत्रालय के न्याय विभाग के तहत एक सरकारी विभाग है।
- भारतीय संविधान के कई प्रावधानों में कानूनी सेवाएं प्रदान करने की आवश्यकता को रेखांकित किया गया है। उदाहरण के लिए – अनुच्छेद 39ए

Source: Indian Express

8 January Daily Current Affairs

वेटलैंड सिटी प्रत्यायन (डब्ल्यूसीए)

चर्चा में क्यों:

- पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (एमओईएफ एंड सीसी) ने वेटलैंड्स पर रामसर कन्वेंशन के तहत वेटलैंड सिटी मान्यता (डब्ल्यूसीए) के लिए इंदौर, भोपाल और उदयपुर को नामित किया है।

प्रमुख बिंदु:

- यह पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (एमओईएफसीसी) द्वारा अपनी तरह का पहला नामांकन है।
- ये पहले तीन भारतीय शहर हैं जिनके लिए नगर निगमों के सहयोग से संबंधित राज्य वेटलैंड प्राधिकरणों से प्राप्त प्रस्तावों के आधार पर डब्ल्यूसीए के लिए नामांकन प्रस्तुत किए गए हैं।
- इन शहरों में और इसके आस-पास स्थित आर्द्रभूमियाँ अपने नागरिकों को बाढ़ विनियमन, आजीविका के अवसरों और मनोरंजन और सांस्कृतिक मूल्यों के संदर्भ में ढेर सारे लाभ प्रदान करती हैं।
- सिरपुर वेटलैंड (इंदौर में रामसर साइट), यशवंत सागर (इंदौर के करीब रामसर साइट), भोज वेटलैंड (भोपाल में रामसर साइट), और उदयपुर और उसके आसपास कई वेटलैंड्स (झीलें) इन शहरों के लिए जीवन रेखा हैं।
- डब्ल्यूसीए एक स्वैच्छिक मान्यता प्रणाली है, जिसे रामसर कन्वेंशन द्वारा कॉन्ट्रैक्टिंग पार्टियों (सीओपी) 12, 2015 के सम्मेलन के दौरान उन शहरों को मान्यता देने के लिए स्थापित किया गया था, जिन्होंने अपने शहरी आर्द्रभूमि की सुरक्षा के लिए असाधारण कदम उठाए हैं।
- इस योजना का उद्देश्य शहरी और पेरी-शहरी आर्द्रभूमि के संरक्षण और बुद्धिमान उपयोग को बढ़ावा देना है, साथ ही स्थानीय आबादी के लिए स्थायी सामाजिक-आर्थिक लाभ भी है।
- WCA 6 वर्षों के लिए वैध है।

Source: PIB

8 January Daily Current Affairs

विदेश मंत्री जयशंकर जनवरी 2024 में युगांडा NAM शिखर सम्मेलन में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे

चर्चा में क्यों:

- भारत के विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर जनवरी 2024 में युगांडा की राजधानी कंपाला में आगामी गुटनिरपेक्ष आंदोलन (NAM) शिखर सम्मेलन में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे।

प्रमुख बिंदु:

- 17 से 20 जनवरी, 2024 तक निर्धारित, NAM शिखर सम्मेलन का 19वां संस्करण 15 जनवरी से एक महत्वपूर्ण विदेश मंत्रिस्तरीय बैठक से पहले होगा।
- गुटनिरपेक्ष आंदोलन (NAM) 120 देशों का एक मंच है जो औपचारिक रूप से किसी भी प्रमुख शक्ति गुट के साथ या उसके खिलाफ गठबंधन नहीं करता है।
- इसकी स्थापना शीत युद्ध के टकराव के संदर्भ में विकासशील देशों के हितों को आगे बढ़ाने की दृष्टि से की गई थी।
- संयुक्त राष्ट्र के बाद, यह दुनिया भर में राज्यों का सबसे बड़ा समूह है।
- 1961 में, गुटनिरपेक्ष आंदोलन औपचारिक रूप से बेलग्रेड, यूगोस्लाविया में स्थापित किया गया था।
- यह पहल 1955 के बांडुंग सम्मेलन में सहमत सिद्धांतों से ली गई थी।
- इस आंदोलन का नेतृत्व यूगोस्लाव के राष्ट्रपति जोसिप ब्रोज़ टीटो ने किया था, साथ ही भारतीय प्रधान मंत्री जवाहरलाल नेहरू, मिस्र के राष्ट्रपति गमाल अब्देल नासिर, घाना के राष्ट्रपति क्वामे नक्रूमा और इंडोनेशियाई राष्ट्रपति सुकर्णो के सहयोगात्मक प्रयासों के साथ।

Source: The Economic Times

प्रोजेक्ट 'वीर गाथा' के तीसरे संस्करण को पूरे भारत में जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली

चर्चा में क्यों:

- गणतंत्र दिवस समारोह के हिस्से के रूप में प्रोजेक्ट 'वीर गाथा' के तीसरे संस्करण को पूरे भारत में भरपूर समर्थन मिली है। रक्षा मंत्रालय के अनुसार, लगभग 2.43 लाख स्कूलों के लगभग 1.37 करोड़ छात्रों ने इस पहल में भाग लिया।

प्रमुख बिंदु:

- सरकार ने आजादी के 75वें वर्ष का जश्न मनाने के लिए 'आजादी का अमृत महोत्सव' के हिस्से के रूप में प्रोजेक्ट 'वीर गाथा' शुरू किया था।
- इस पहल का उद्देश्य छात्रों के बीच वीरता पुरस्कार विजेताओं की बहादुरी के कार्यों और इन बहादुर दिलों की जीवन कहानियों का विवरण प्रसारित करना है ताकि देशभक्ति की भावना को बढ़ाया जा सके।
- रक्षा मंत्रालय ने बताया कि इन छात्रों में से सौ विजेता छात्रों का चयन राष्ट्रीय स्तर पर किया जा रहा है।
- प्रत्येक विजेता को दस हजार रुपये का नकद पुरस्कार दिया जाएगा और एक विशेष अतिथि के रूप में कर्तव्य पथ पर गणतंत्र दिवस परेड 2024 देखने का अवसर मिलेगा।

Source: News on AIR